

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

DEMAND FOR VIDARBHA STATE

*134. SHRI YASHPAL SINGH :
SHRI A. DIPA :
SHRI S. P. RAMAMOORTHY :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that some Members of Parliament have submitted a memorandum to Government for the formation of a new State of Vidarbha out of the existing State of Maharashtra;

(b) if so, the details thereof and the names of signatories thereto;

(c) Government's reaction in the matter; and

(d) whether recent disturbances in Vidarbha area of Maharashtra are the direct outcome of this demand?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) and (b) A Member of the Lok Sabha has sent to the Government a copy of memorandum stated to have been signed by about 45 Members of Parliament. It has been urged in the memorandum that the Government of India should ascertain the wishes and aspirations of the people in Vidarbha through a referendum on the demand for a separate Vidarbha State. A statement showing the names of persons stated to have signed the memorandum is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT—2116/68].

(c) The question whether the Vidarbha area should form a separate State or be part of Maharashtra has been considered in the past and the entire issue has been settled with the enactment of the States Reorganisation Act, 1956, and the Bombay Reorganisation Act, 1960. Government do not propose to reopen this issue.

(d) Yes, Sir.

बलात् धर्म परिवर्तन

*135. श्री रामगोपाल शालबाबे : क्या गृह कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन किन देशों में बलात् धर्म-परिवर्तन को कानूनी अपराध माना जाता है;

(ख) क्या भारत सरकार का भी कोई ऐसा कानून है जिससे बलात् धर्म परिवर्तन जैसे कृत्यों को कानूनी अपराध घोषित किया जाये; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) मूचना उपलब्ध नहीं है।

(ख) जी नहीं, श्रीमान।

(ग) धर्म परिवर्तन के लिए शक्ति के प्रयोग को भारतीय दण्ड संहिता के विद्यमान उपबन्धों के अन्तर्गत निपटा जा सकता है। इसके अतिरिक्त इस विषय का संबंध मुख्यतः 'लोक व्यवस्था' से है जो कि राज्य क्षेवाधिकार का विषय है।

अश्लील साहित्य

*136. श्री शिव कुमार शास्त्री : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें पता है कि भारत में अश्लील साहित्य का प्रकाशन निरन्तर बढ़ता जा रहा है;

(ख) क्या यह भी सच है कि बहुत सी पत्रिकाएँ जो नग्न तथा अर्ध नग्न चित्रों से भरी होती हैं, यह घृणित प्रचार कार्य कर रही हैं;

(ग) क्या इन पत्रिकाओं को दण्ड देने के लिये कोई कार्यवाही की गई है; और

(घ) यदि हाँ, तो उसका क्या परिणाम निकला है तथा किन-किन पत्रिकाओं के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ?